



Mr.aman



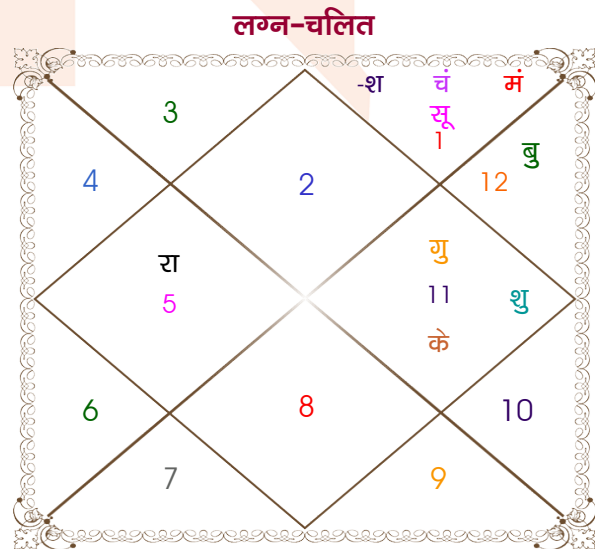
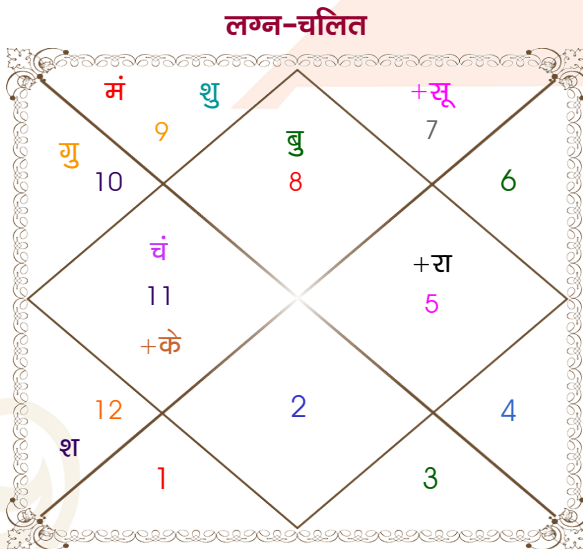
Ms.apoorwa Srivastava

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119934802

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 09/11/1997 : _____ जन्म तिथि _____ 26/04/1998
 रविवार : _____ दिन _____ रविवार _____
 घंटे 07:02:00 : _____ जन्म समय _____ 08:00:00 घंटे
 घंटे 02:17:21 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 06:41:42 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Gopalganj : _____ स्थान _____ Gopalganj
 26:28:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:28:00 उत्तर
 84:26:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 84:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:07:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:07:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:07:03 : _____ सूर्योदय _____ 05:19:19
 17:05:03 : _____ सूर्यास्त _____ 18:21:23
 23:49:32 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:49:53

विंशोत्तरी राहु 16वर्ष 3मा 23दि गुरु		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 7मा 22दि सूर्य	
03/03/2014		03:54:05	वृश्चि	लग्न	वृष	25:08:56	17/12/2021	
03/03/2030		22:51:36	तुला	सूर्य	मेष	11:50:21	17/12/2027	
		07:54:57	कुंभ	चंद्र	मेष	06:23:35		
		06:02:55	धनु	मंगल	मेष	15:51:21		
गुरु	21/04/2016	08:08:13	वृश्चि	बुध	मीन	17:19:33	सूर्य	05/04/2022
शनि	02/11/2018	19:54:17	मक	गुरु	कुंभ	24:44:31	चन्द्र	05/10/2022
बुध	07/02/2021	09:51:22	धनु	शुक्र	कुंभ	27:34:15	मंगल	10/02/2023
केतु	14/01/2022	20:54:37	मीन व	शनि	मेष	01:06:28	राहु	04/01/2024
शुक्र	14/09/2024	24:07:30	सिंह	राहु व	सिंह	15:11:08	गुरु	23/10/2024
सूर्य	03/07/2025	24:07:30	कुंभ	केतु व	कुंभ	15:11:08	शनि	05/10/2025
चन्द्र	02/11/2026	11:11:22	मक	हर्ष	मक	18:43:18	बुध	11/08/2026
मंगल	09/10/2027	03:37:16	मक	नेप	मक	08:18:45	केतु	17/12/2026
राहु	03/03/2030	10:55:14	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:41:00	शुक्र	17/12/2027



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

डतण्डं का वर्ग मार्जार है तथा डेण्चववतूतपअंजं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्डं और डेण्चववतूतपअंजं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्डं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्चववतूतपअंजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना ।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना ।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्चववतूतपअंजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्चववतूतपअंजं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है ।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डेपंचवतू तपअंजंअं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है ।

डतण्डं तथा डेपंचवतू तपअंजंअं में मंगलीक मिलान ठीक है ।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं ।

